

## आरक्षति वन

### प्रलिस के लयः

आरक्षति वन, संरक्षति वन, ग्राम वन, उषणकटबिधीय सदाबहार वन, अरद्ध-सदाबहार वन, उषणकटबिधीय पर्णपाती वन, पर्वतीय वन, उषणकटबिधीय काँटेदार वन, दलदली वन ।

### मेन्स के लयः

भारत में वनों के प्रकार और वनों के संरक्षण की आवश्यकता, भारत में वनों के संरक्षण के लिये उठाए गए कदम ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में दिल्ली सरकार ने दक्षिणी दिल्ली के दो गाँवों में वन भूमि को 'आरक्षति वन' के रूप में अधिसूचति कयिा है ।

- इसे [भारतीय वन अधिनियम, 1927](#) की धारा 20 (आरक्षति वन की घोषणा) के तहत अधिसूचति कयिा गया था ।

## वनों के प्रकार:

- आरक्षति वन:** आरक्षति वन सबसे अधिक प्रतबिधति वन हैं और कसिी भी वन भूमिा बंजर भूमिा जो कसिी सरकार की संपत्त है, पर राज्य सरकार द्वारा गठति कयिा जाते हैं ।
  - आरक्षति वनों में कसिी वन अधिकारी द्वारा वशिष रूप से अनुमति के बनिा स्थानीय लोगों की आवाजाही नषिदिध है ।
- संरक्षति वन:** राज्य सरकार को आरक्षति भूमि के अलावा कसिी भी भूमिा गठन करने का अधिकार है, जसि पर सरकार का मालकाना अधिकार है और ऐसे वनों के उपयोग के संबंध में नयिम जारी करने की शक्त है ।
  - इस शक्त का उपयोग ऐसे वृक्षों जनिकी लकड़ी, फल या अन्य गैर-लकड़ी उत्पादों में राजस्व बढ़ाने की क्षमता है, पर राज्य का नयित्रण स्थापति करने के लयि कयिा गया है ।
- ग्राम वन:** ग्राम वन वे वन हैं जनिके संबंध में राज्य सरकार "कसिी भी ग्राम समुदाय को कसिी भूमिा आरक्षति वन के रूप में सूचीबद्ध भूमि के संबंध में सरकार के अधिकार सौंप सकती है ।"

## भारत में वर्षा के आधार पर वनों का वर्गीकरण:

- उषणकटबिधीय सदाबहार और अरद्ध- सदाबहार वन:**
  - ये वन पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढलान, पूर्वोत्तर कषेत्र की पहाड़ियों और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में पाए जाते हैं ।
  - ये 200 सेमी. से अधिक वार्षिक वर्षा और 22 डिग्री सेल्सियस से ऊपर औसत वार्षिक तापमान के साथ गर्म व आर्द्र कषेत्रों में पाए जाते हैं ।
  - उषणकटबिधीय सदाबहार वन अच्छी तरह से स्तरीकृत होते हैं, जनिकी परतें ज़मीन के करीब होती हैं और झाड़ियों एवं लताओं से ढकी रहती हैं, जनिके छोटे संरचति पेड़ और पेड़ों की काफी अधिक वविधिता होती है ।
  - इन जंगलों में पेड़ों की ऊँचाई 60 मीटर या उससे अधिक होती है । इन वनों में पत्तों के झड़ने, फूल आने और फल लगने का समय अलग-अलग होता है, इसलिये ये वर्ष भर हरे-भरे दिखाई पड़ते हैं ।
  - इन कषेत्रों के कम वर्षा वाले भागों में अरद्ध-सदाबहार वन पाए जाते हैं । ऐसे वनों में सदाबहार और नम पर्णपाती वृक्षों का मशिरण होता है । बढ़ती ऊँचाई और बढ़ते पर्वत इन वनों को एक सदाबहार गुण प्रदान करते हैं ।
- उषणकटबिधीय पर्णपाती वन:**
  - ये भारत में सबसे व्यापक वन हैं । इन्हें 'मानसूनी वन' भी कहा जाता है । ये प्रायः उन कषेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ वर्षा 70-200 सेमी के बीच होती है । जल की उपलब्धता के आधार पर इन वनों को नम और शुष्क पर्णपाती के रूप में वभिाजति कयिा जाता है ।
- पर्वतीय वन:**
  - पर्वतीय कषेत्रों में बढ़ती ऊँचाई के साथ तापमान में कमी के कारण प्राकृतिक वनस्पतियों में परिवर्तन देखा जाता है ।

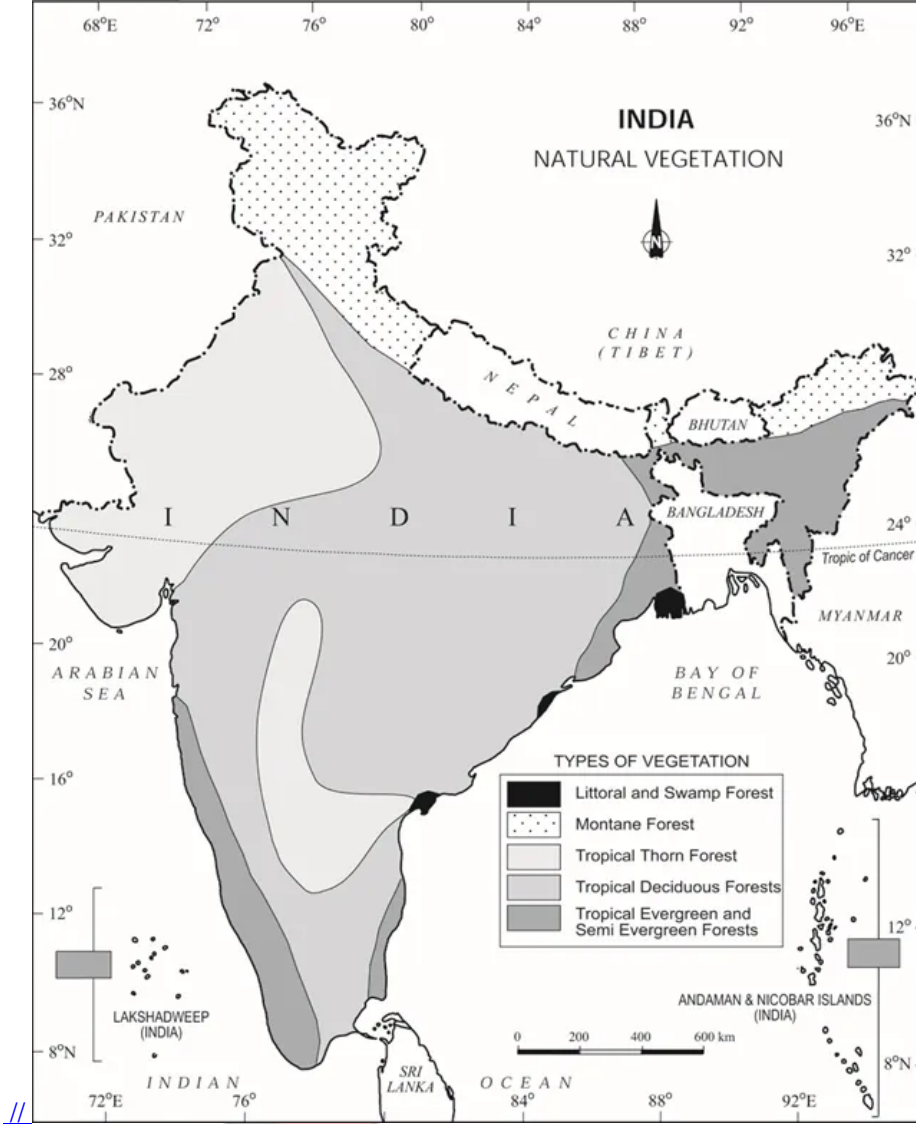
• परवतीय वनों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, उत्तरी परवतीय वन और दक्षिणी परवतीय वन।

#### ■ उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन:

- उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ 50 सेमी. से कम वर्षा होती है। इनमें विभिन्न प्रकार की घास और झाड़ियाँ मौजूद होती हैं। इसमें दक्षिण पश्चिमि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र शामिल हैं।
- इन वनों में पौधे वर्ष के अधिकांश भाग में पत्ती रहति झाड़ीदार वनस्पति के रूप में पाए जाते हैं।

#### ■ दलदली वन:

- ये अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और गंगा व ब्रह्मपुत्र के डेल्टा क्षेत्र में पाए जाते हैं।
  - इसके अलावा महानदी, गोदावरी और कृष्णा डेल्टा जैसे क्षेत्रों में भी ये पाए जाते हैं।
- इनमें से कुछ वन घने और अभेद्य हैं। इन सदाबहार वनों में सीमित संख्या में ही पौधे पाए जाते हैं।
- इनमें जड़ें होती हैं, जिनमें नरम ऊतक मौजूद होते हैं ताकि पौधे पानी में साँस ले सकें।
- इसमें मुख्य रूप से व्हिस्टलिंग पाइन, मैंग्रोव खजूर और बुलेटवुड शामिल होते हैं।



## भारत में वनावरण की स्थिति:

- [भारत वन सथतिरिपोरट-2021](#) के अनुसार, पछिले दो वर्षों में 1,540 वर्ग किलोमीटर के अतिरिक्त कवर के साथ देश में वन और वृक्षों के आवरण में वृद्धि जारी है।
- मध्य प्रदेश में देश का सबसे बड़ा वन क्षेत्र है, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र हैं।
- कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में वन आवरण के मामले में शीर्ष पाँच राज्य मजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर और नगालैंड हैं।
- वनावरण में सबसे अधिक वृद्धि दिखाने वाले राज्यों में तेलंगाना (3.07%), आंध्र प्रदेश (2.22%) और ओडिशा (1.04%) हैं।
- वनावरण में सबसे अधिक कमी पूर्वोत्तर के पाँच राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मजोरम और नगालैंड में हुई है।

स्रोत: द हट्टु

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/reserved-forest>

